शंकर मेरे कब होंगे दर्शन तेरे

ओ शंकर मेरे कब होंगे दर्शन तेरे |
जीवन पथ पर, शाम सवेरे छाए है घनघोर अँधेरे ||

मै मूरख तू अंतरयामी,
मै सेवक तू मेरा स्वामी |
काहे मुझ से नाता तोडा,
मन छोड़ा, मन्दिर भी छोड़ा,
कितनी दूर लगाये तूने जा कैलाश पे डेरे ||

तेरे द्वार पे जोत जगाते,
युग बीते तेरे गुण गाते |
ना मांगू मैं हीरे मोती,
मांगू बस थोड़ी सी ज्योति |
खली हाथ ना जाऊंगा मैं,
दाता द्वार से तेरे ||

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/42/title/Shankar-mere-kab-honge-darshan-tere

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |